

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 06 अक्टूबर, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख1/23374/परी0परि0रामनगर/2008-09; दिनांक: 05 सितम्बर, 2008 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या: 393/XXIV-3/06/02(75)2006; दिनांक: 27.07.2006 एवं शासनादेश संख्या: 1688/XXIV-3/07/02(75)2006; दिनांक: 19 नवम्बर, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड शिक्षा एवं परीक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, इंजी0 कालेज, इकाई पौड़ी गढ़वाल द्वारा गठित आगणन एवं टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित लागत रू0 146.70 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि रू0 76.12 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू0 70.58 लाख को चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में शासनादेश संख्या: 657/XXIV-3/07/02(37)2008 दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 70.58 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रातिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों पर तथा जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
2. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा, जितना कि स्वीकृत नार्मस हैं। स्वीकृत नार्मस से अधिक व्यय कदापि न किया जाए। कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
4. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।

अर्पित

5. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का भलीभांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर प्राप्त आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
7. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाए। एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
8. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री को किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया लिया तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
9. जी0जी0डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रातिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूली किया जायेगा।
10. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के आदेश के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219 (2006). दिनांक: 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
11. निर्माण गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी होगी।
2. उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृत अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याक्षा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।
3. मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
4. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 क आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत-13-रामनगर नैनीताल में माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय के भवन का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के शासनदेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक: 27मार्च, 2008 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1787(1)/XXIV-3/08/02(75)2006; तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी,

क्रमश:-3

अपि

- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी,
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 8- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 9- जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ,।
- ✓ 11- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12- कम्प्यूटर सैल (वित्त विभाग) उत्तराखण्ड।
- 13- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर।
- 14- गार्ड फाईल।

अपि  
30.9.08.

आज्ञा रो,

(६९)

(पी0एल0शाह)

उप सचिव